ट्रेन के सफर - पति की कारसतानियां - भाग दो - डेजी परवीन

मेरे शौहर को जरा भी अफसोस नही था अपने कारसतानियो पर, जैसे तैसे कार्यक्रम निपटा और हमने वापसी का प्रोग्राम बनाया. मैने दिल ही दिल में सोच लिया था कि वापसी मे अपने शौहर को ऐसा मजा चखाऊंगी कि याद रखेंगे. नियत तिथी को हम ट्रेन मे चढ़ गये, क्योकि ये पैसेन्जर ट्रेन थी इसलिए समय ज्यादा लगने वाला था. एक कम्पार्टमेन्ट मे ६ सीट थी. नीचे के दोनो सीट एक वृद्ध कपल का था जिनकी उम्र ७० के आसपास थी. बीच के दोनो सीट हमारी थी और उपर के दोनो सीट मे से एक आदमी की थी जिसकी उम्र ३२-३५ के आसपास थी और एक कालेज के लड़के की थी. जब ट्रेन स्टेशन से निकली तब शाम के सात बज रहे थे. कम्पार्टमेन्ट के दोनो खिड़की पर वृद्धा और वो कालेज का लड़का बैठा था. मै उसके बगल मे बैठ गई और मेरे शौहर मेरे बगल मे. अभी वो आदमी पहुंचा नही था. लगभग ८ बजे स्टेशन पर ट्रेन रूकी और फिर चल पड़ी. मेरे शौहर उठे और बाथरूम चले गये. तभी वो आदमी आया और अपना सामान जमा कर मेरे बांए बगल में बैठ गया. आम तौर पर मै उसे सामने बैठने को कहती पर मैने कुछ नही कहा. मेरे शौहर वापस आये तो थोड़ा झिझके पर फिर सामने बैठ गये. धीरे धीरे सब मे आपस में बात होने लगी. मैने बैग खोला और एक नाईटी लेकर बाथरूम मे चली गई. मैने साड़ी ब्लाऊज और पेटीकोट उतार कर नाईटी पहनने लगी, फिर थोड़ा ठिठकी और मैने अपनी ब्रा और पैन्टी भी उतार दी. मैने सिर्फ नाईटी पहना और वापस कम्पार्टमेन्ट मे आ गई.

थोड़ी देर युं ही बाते होती रही जब उस आदमी ने जिसका नाम रवि महंत था, ने ताश खेलने का प्रस्ताब रखा. हालाकि हमारे घर मे ताश नही खेलते पर खेलना दोनो को आता था सो हम दोनो भी तैयार हो गये और नीरज नाम का वो लड़का भी तैयार हो गया. अंकल आंटी को हमने खिड़की दे दी. मै आंटी के बगल मे और वो लड़का मेरे सामने बैठ गया. मेरे बगल मे रवि और उनके सामने मेरे शौहर बैठ गये. रवि ने एक कम्बल निकाला और हमने उसे फैला कर कमर तक रख लिया और बीच मे पत्ते फेकने लगे. क्योकि कम्बल ज्यादा बड़ा नही था इसलिए हम सब काफी पास पास बैठे थे. मेरे घुटने रवि के घुटनो से टकरा जा रहे थे. जैसे जैसे रात गहराने लगी ठंड बढने लगी. रवि पत्ते फेंकने के बाद अपना दांया हाथ कम्बल मे घुसा देता था. ऐसे ही अचानक मुझे महसूस हुआ कि रवि का एक हाथ मेरे जांघो पर है. मैने चोर नजरो से उसे देखा तो वो ऐसे बैठा था कि कुछ पता ही न हो. मैने भी कोई प्रतिक्रिया नही कि और उसका हाथ वही रहने दिया. एक दो चाल के बाद उसका हाथ फिर मेरे जांघो पर था पर इस बार वो हलका हलका मेरी जांघो को सहला रहा था. मैने कोई प्रतिक्रिया नही दी. जब उसकी चाल आई तो उसने हाथ निकाल लिया और चाल चलने लगा. मैने अपना हाथ अंदर डाला और नाईटी को कमर तक चढ़ा लिया. मैने इतने सावधानी से किया था कि किसी को पता न चले. अगली बार रवि का हाथ जैसे ही जांघो पर आया तो उसके हाथ मेरे नग्न जांघो पर पड़े. वो चौंका और चोर नजरो से मुझे देखा. मै हलके से मुस्कुरा दी, वो मेरी जांघो से खेलता रहा और एक दो बार हाथ मेरी योनि तक भी ले गया.

उतारने को कहा. वो जल्दी जल्दी कपड़े उतारने लगा. उसके नगन होने के बाद मैने टाईलेट के कमबोर्ड को धक कर उसे कमबोर्ड पर बैठा दिया और अपनी चुत उसके लण्ड मे घुसा कर उसके गोद में बैठ गई. वो वैसे ही बैठा रहा और मै उछल उछल कर उसका लण्ड अन्दर बाहर करने लगी. उसकी आंखे बंद हो गई जिस्से पता चला कि उसे कितना मजा आ रहा था. अभी दो मिनट भी नही हुए थे कि किसी ने दरवाजा खटखटाया. नीरज हड़बड़ा गया. बाहर से मेरे शौहर की आवाज आई, "डेजी अंदर हो क्या?" मै दरवाजा खोलने को हुई तो नीरज ने हाथ पकड़ लिया और इशारा करने लगा कि दरवाजा न खोलुं. मैने उसे इशारे से कहा कि कुछ नही होगा तब उसने मेरा हाथ छोड़ा. मैने अपने शौहर से कहा कि मैं अंदर हूं. उन्होने पुछा कि कितने देर से अंदर हो क्या कर रही हो. मैने दरवाजा खोल दिया और पल्ले को फैला दिया. मै अभी भी नग्न अवस्था में नीरज के गोद मे बैठी थी और उसका लण्ड अभी भी मेरी चुत मे था. मैने झल्लाते हुए कहा, "थोड़ा व्यस्त हूं, आप जा कर सो जाईये मै थोड़े देर मे आती हूं. मैने बिना दरवाजा बंद किये फिर से उसके लण्ड पर उछलने लगी. मेरे शौहर ने दरवाजा बंद किया और चले गये. तभी पता चला कि नीरज झड़ गया है, शायद डर से. मै उठी तो वो जल्दी से कपड़े पहन कर निकल गया. मैने खुद को साफ किया और नाईटी पहन कर बाहर आ गई. मै अपने सीट कर जा कर लेट गई. मेरे शौहर दूसरी तरफ मुह करके सो रहे थे. मै भी सो गई.

सुबह उठ कर मैने टूथ ब्रश लेकर वास बेसन की तरफ चली गई. अभी भी नाईटी मे थी. वहां मैने ब्रश किया और जैसे ही मुंह धो रही थी, दो हाथ आ कर मेरे चुत्तड़ो को सहलाने लगा. मैने कोई प्रतिक्रिया नही की और टावेल से मुंह पोछ कर पल्टी. जो मेरे और जैसे ही वापस चुत्तड़ो को सहला रहा था वो मेरे पीछे चला गया और मेरे चुत्तड़ो को सहलाते रहा. एक लड़का मेरे सामने खड़ा था. उसने कहा, "क्या बात है भाभी, रात मे बहुत मजे किये हो?" मैने मुस्कुरा कर कहा, "मेरी तो आदत है." उसने मेरे दोनो स्तनो को नाईटी के उपर से पकडं कर मसलने लगा और मेरे होंठो को चुमने लगा. मैने कोई विरोध नही किया. अचानक मेरी नजर कोने मे गई तो मुझे पता चला कि मेरे शौहर कोने से झांक रहे है. मैने ऐसे व्यक्त करना शुरू किया कि मुझे बहुत मजा आ रहा हो. तभी उनके गला खखाड़ा और दोनो लड़के मुझे छोड़ कर झट से निकल गये. मेरे शौहर वास बेसन की तरफ चले गये और में अपने सीट पर चली गई.

मेरे शौहर ने एक शब्द भी नही कहा, मै चाहती थी कुछ बोले तो उनकी मिट्टी पलीद करूं पर उन्होने कुछ भी नही कहा. वैसे मैने हार नही मानी थी अभी. रवि, वो दोनो अंकल आंटी और नीरज अपने अपने स्टेशन पर उतर चुके थे. मैं और मेरे शौहर ही कम्पार्टमेंट में बैठे थे. मैने अभी भी नाईटी चेन्ज नही की थी. तभी बगल वाले कम्पार्टमेंट से दो लड़के आकर बैठ गये और मेरे शौहर से बात करने लगे. थोड़ी देर बाद दोनो ने ताश खेलने का प्रस्ताव रखा तो हम तैयार हो गये. कम्बल बिछा कर हम खेलने लगे, मेरे शौहर और एक लड़का मेरे सामने बैठे थे और एक लड़का मेरी बगल में. मै और मेरे शौहर खिड़की की तरफ बैठे थे. तभी एक लड़का और आ गया और वो मेरे बगल वाले लड़के के बगल में बैठ गया. उसने कहा कि वो खेलेगा और पत्ते

उसके हाथ से ले लिया. मेरे बगल मे जो लड़का बैठ था वो बीच में ही बैठा रहा, भले ही खेल नही रहा था पर उस लड़के के पत्ते देख रहा था. उसने अपने दोनो हाथ कम्बल में डाल लिये. मुझे अंदाजा हो गया था कि कुछ न कुछ जरूर करेगा इसलिए मैने अपनी नाईटी उपर तक उठा ली. जैसा की मैने सोचा था कुछ ही देर में वो लड़का मेरे घुटनो को सहलाने लगा. मैने कोई विरोध नही किया तो उसने मेरी जांघो को सहलाना शुरू किया, मैने कोई विरोध नही किया तो उसका हाथ बढ़ते बढ़ते मेरी चुत तक पहुंच गया. वो मेरी चुत और जांघो के अंद्रूनी हिस्सो से खेलता रहा. जैसे ही मेरे शौहर मुझे देखते मै आंखे बंद कर लेती. एक दो बार के बाद उनको शक हुआ. उन्होने अपने हाथ से मेरे टांगो को टटोलना शुरू किया तो मै भी थोड़ा निचे सरक कर बैठ गई. टटोलते टटोलते हाथ जांघो तक पहुंचा और फिर मेरी चुत तक. जैसे ही चुत पर हाथ पहुंचा तो मेरे बगल वाले लड़के और मेरे शौहर दोनो के हाथ आपस में टकरा गये. दोनो को ऐसा गया कि करन्ट लगा हो और दोनो ने अपने अपने हाथ बाहर खींच लिये. मेरे शौहर मुझे घूरने लगे तो मैने उनकी तरफ देखना बंद कर दिया. एक दो गेम के बाद उन्होने लड़को से कहा कि गेम बंद करें. और सब अपने सामान लेकर वापस चले गये. मैने सोचा अब कुछ बोलेंगे पर कुछ नही बोले.

उनके जाने के बाद मै बाथरूम गई. बाथरूम से जब वापस आ रही थी तभी एक आर पी एफ जवान गेट पर खड़ा दिखा. मै उसके बगल से निकल रही थी तभी उसने कमेंट किया, "क्या रसदार माल है, कसम से एक बार मिल जाये तो मजा आ जाये." मैने उसे पलट कर देखा तो वो हंसने लगा. मै उसके पास तक गई और उससे बोली, "क्या बोले तुम?" उसने कहा, "सुन तो ली हो." मैने कहा, "हम ट्रेन मे है और मेरे शौहर साथ मे है, अगर मेरे शौहर से निपट लेगा तो मुझसे मजा ले लेना और मैं किसी को कम्पलेन भी नही करूंगी." वो मुझे आश्चर्य से देखता रहा तो मैने उसके पैन्ट के उपर से उसके लण्ड को सहला दिया और कहा, "अब यकीन है." उसने कहा कि उसे यकीन है तो मैने कहा कि मेरी एक शर्त है कि मेरे सामने मेरे शौहर की मिट्टी पलीद करना होगा. वो मुस्कुरा कर बोला कि हो जायेगा. मै इतना बोल कर वापस आ गई और खिड़की के बग्ल में बैठ गई. थोड़े देर बाद वो आर पी एफ जवान हमारे कम्पार्टमेन्ट में आया और कम्पार्टमेन्ट का दरवाजा बंद कर दिया. मेरे शौहर उसको देख कर खड़े हो गये. उसने पहले ये पुछा कि हम कहां से आ रहे है और कहां जा रहे है. मेरे शौहर ने बता दिया, उसने बताया कि कुछ असामाजिक तत्व के ट्रेन मे होने कि सम्भावना है. फिर उसने हमारा नाम पुछा और जैसे ही हमने नाम बताया उसके त्योरी चढ़ गई. उसने कहा कि तलाशी लेगा और हमारे सामान खोल के देखने लगा. उसके बाद उसने मेरे शौहर को पास बुलाया और उनकी तलाशी लेने लगा. उसके बाद उसने मुझे खड़े होने को कहा और मेरी तरफ बढ़ा. मेरे शौहर बोल पड़े, "कोई लेडीज कांस्टेबल नही है क्या?" उसने एक थप्पड़ मेरे शौहर को मारा और कहा, "लवड़े के बाल, अब लेडिज कांस्टेबल ढूंढने जाऊं और तब तक तुम दोनो फरार." मेरे शौहर गाल सहलाते हुए बोले, "हम कोई गलत काम नही कर रहे है." उसने कहा, "साले तुम तो होते ही हो पैदाईशी

आतंकवादी, तुम्हारी तो जात ही है वैसी. अब मुझे डिस्टर्ब मत कर वरना अभी थप्पड़ मारा हूं, फिर सीधे गोली मारूंगा." मेरे शौहर दुबक कर खड़े हो गये. उस जवान ने पहले तो मेरे नाईटी के उपर ही से मेरे बदन के हर हिस्से पर हाथ फिराया और फिर मेरे नाईटी के लगे से अपना एक हाथ अंदर डाल कर मेरे स्तनो को मसलने लगा. दो मिनट के बाद उसने मेरे नाईटी को उपर सरका के मेरे कमर तक ले गया और मुझे पकड़ने को कहा. मैने कमर पर नाईटी को पकड़ लिया और वो मेरी जांघो को सहलाने लगा और मेरी चुत को मसलने लगा. उसके बाद मेरे चुतड़ॉ को मसलने लगा. मेरे शौहर ने पुछा, "ये किस प्रकार की तलाशी है?" उसने मुझे छोड़ा और घूम कर मेरे शौहर को थप्पड़ और मरा और कहा, "बहनचोद मुझे सिखायेगा. कसम से तू ठीक से तलाशी भी नही लेने देगा. तू यही रूक मैं तलाशी ले कर आता हूं.

उसने मेरे नाईटी को निचे करवा दिया और मुझे खींचते हुए दो बोगियो के बीच बने टाईलेट के गलियारे मे ले गया. वहां उसने मेरे नाईटी के उपर के बटन खोले और मेरे स्तनो को नग्न कर लिया. वो मेरे स्तनो को सहलाने मसलने लगा और बीच बीच में मेरे निप्पल को चुस लेता. वो मेरे होठो गले गाल को भी चुम रहा था. मैने चोर नजरो से देखा तो मेरे शौहर पास में छुप कर खड़े थे. आखिर उसका मन भर गया तो उसने मेरी नाईटी के सारे बटन खोल दिये और मेरी टांगे फैला दी. जैसे ही उसने अपना लण्ड निकाल कर मेरी चुत पर रखा मेरे शौहर सामने आ कर बोले, "ये किस टाईप की तलाशी ले रहे हो?" उसने गुर्राते हुए कहा, "मादरचोर मुझे मत सिखा, मै ऐसे ही तलाशी लेता हूं, ज्यादा टांय टांय करेगा तो अभी चेन खींच कर सब को बोलुंगा कि तुने मुझ पर हमला किया. उसके बाद तो जेल जा कर तेरी खूब तबीयत से कुटाई होगी और तेरी बीबी की मस्त तलाशी होगी वहां." मेरे शौहर चुप हो गये और उसने मेरी कमर पकड़ कर एक झटके से अपना लण्ड मेरी चुत में घुसा दिया.मेरी दोनो स्तनो को पकड़ कर वो धक्के लगाने लगा. मेरे शौहर वहीं कोने में खड़े होकर तमाशा देख रहे थे. वो मेरी चुत मे धक्के लगा रहा था और साथ ही मेरे स्तनो को खूब मसल भी रहा था. आखिरकार एक चरम पर पहुंच कर उसने मेरी चुत मे रस भर दिया और मुझसे अलग हो गया. उसने अपना लण्ड अंदर किया और मुझे कपड़े ठीक करने को कहा. मै जैसे ही कपड़े ठीक करने लगी मेरे शौहर वापस कम्पार्टमेन्ट में चले गये. थोड़ी देर बाद हम दोनो भी कम्पार्टमेन्ट में पहुंचे. जवान ने मेरे शौहर से कहा, "हां! अब तस्सल्ली हो गई, तुम लोग बिलकुल क्लीन हो. बस एक बार मै अपने सीनियर से भी कन्फर्म कर लेता हूं." मेरे शौहर को इशारा करके उसने टिकट मांगा.

मेरे शौहर ने निकाल कर उसे टिकट दे दिया. उसने कहा कि वो पांच मिनट में टिकट कन्फर्म करके आ रहा है. मेरे शौहर कुछ नही बोले और वो चला गया. लेकिन जब वो १५ मिनट तक वापस नही आया तो मेरे शौहर के चेहरे की रंगत उड़ने लगी. मुझे तो समझ आ गया था कि वो कोई न कोई चाल चल के गया है. और सच पुछा जाये तो मुझे अपने शौहर को और नीचा दिखाने का मौका बना गया था. उस स्थिति मे अगर पूरी ट्रेन मेरी चुत से अपनी प्यास बुझा लेता तो भी मुझे अफसोस नही होता, बस वो मुझसे अपनी करसतानियो की माफी मांगे. जैसा

कि उमीद थी थोड़े देर में टी टी एक नये आर पी एफ के जवान के साथ आ धमका और मेरे शौहर से टिकट मांगा. मेरे शौहर ने उन्हे बताया कि टिकट आर पी एफ का एक जवान चेक करवाने गया है. टी टी ने कहा कि इस ट्रेन पर आर पी एफ का कोई भी जवान मौजूद नही है. साफ पता चल रहा था की टी टी झुठ बोल रहा था. मेरे शौहर न लाख समझाना चाहा पर वो समझने कि लिए तैयार ही नही थे. आखिर उन्होने पर्स निकाल कर फाईन के साथ टिकट बनाने को कहा. टी टी ने कहा कि वो टिकट नही बनाएगा और मेरे शौहर को अगले स्टेशन पर अरेस्ट करवायेगा. मेरे शौहर ने नर्मी से कहा, "अरेस्ट मत करवाओ, थोड़े ज्यादा फाईन ले लेना, खर्चा पानी." अचानक टी टी के तेवर बदल गये और वो ज्यादा गुस्से मे दिखने लगा. वो बोला, "तेरे को पता है मै पैसे नही लेता खर्चा पानी अगल टाईप से लेता हूं." उसने आगे कहा, "मै खर्चा पानी लेकर आता हूं जब तक तू ये तय कर लेना कि फाईन देकर टिकट बनवाना है या जेल जाना है."

टी टी ने मुझे देखा और कहा, "चल हमारे साथ." मै कुछ बोलुं उस से पहले मेरे शौहर ने पुछा कहां? टी टी ने कहा, "खर्चा पानी लेकर आते है हम लोग, हम इसी टाईप का खर्चा पानी लेते है, वैसे तेरी जोरू का बदन काफी कसा हुआ है, शायद नई नई शादी हुई है तेरी. आज तो बहुत मजा आयेगा." मेरे शौहर बोले, "ये तो ज्यादती है." टी टी ने कहा, "एक सरकारी अफसर को घूंस देना का जुर्म भी बनता है तेरे पे." मेरे शौहर ने फिर कहा, "ठीक है फिर मुझे जेल भिजवा दिजीए." आर पी एफ के जवान ने कहा, "इतनी जल्दी नही है, तू आराम से सोच ले, जब तब हम आते है." मेरे शौहर ने कहा, "मुझे कुछ नही सोचना." तभी आर पी एफ के जवान ने एक थप्पड़ मेरे शौहर को मारा और कहा, "अब तू जेल जा या फाईन पटा, खर्चा पानी को हम लेंगे ही. ज्यादा चूं चपड़ करेगा तो खर्चा पानी लेने के बाद दोनो को चलती ट्रेन से फेंक देंगे." मेरे शौहर कुछ बोलने को हुए तो टी टी ने एक थप्पड़ मारा और कहा, "मुंह खोला तो मार मार के मुंह लाल कर देंगे, एक दम मुंह बंद करके बैठ." मेरे शौहर शांत हो गये और टी टी ने मुझसे कहा, "अरे छमकछल्लो, न्योता दें तेरे को चल जल्दी से कपड़े उतार." मैने अपने शौहर के तरफ देखा जो सर झुका कर बैठे थे. मैने एक एक करके नाईटी के बटन खोल दिये और जैसे ही मेरे स्तन दिखे टी टी ने कहा, "क्या तने हुए स्तन है. मसलने मे मजा आयेगा." नाईटी के बटन नीचे तक खोल कर मैने निकाल कर अगल रख दिया. मेरी चुत देखते ही फिर बोला, "क्या टाईट चुत है, आज सच में मजा आने वाला है." आर पी एफ के जवान ने टी टी के कान में कुछ कहा और टी टी मुझसे कहा, "चल टाईलेट के गलियारे मे चल." मैने आश्चर्य से पुछा, "ऐसे ही, बिना कपड़ो के." एक थप्पड़ मुझे पड़ा और टी टी बोला, "है तो तू रंडी ही, वैसे इधर अभी कोई है तो नही और होता भी तो तुझे दो चार ग्राहक मिल जाते. अब चुप चाप चल." मै बाहर निकली और तेज कदमो ने गलियारे तक पहुंच गई. जैसे ही वो दोनो पहुंचे मैने अपनी पीठ गेट से लगा दिया.टी टी मेरे पास आया और मुझे बीच में खींच कर बोला, "ऐसे नही, अगल टाईप से." दोनो ने अपनी पेन्ट और अण्डरवियर उतारा और अपना लण्ड निकाल लिया. टी मेरे सामने

आ गया और उसने मेरी चुत्तड़ पकड कर अपना लण्ड मेरी चुत मे घुसा दिया. उसके लण्ड के घुसते ही दूसरे ने मेरी गांड के छेद में अपना लण्ड घुसाने लगा. वैसे भी मेरी गांड का छेद खुल चुका था सो लण्ड थोड़ी परेशानी के बाद घुस गया. एक पल रुकने के बाद टी टी ने मेरे जांघो के निचे से अपने हाथो का सहारा दिया और दूसरे ने अपने दोनो हाथ मेरे दोनो स्तनो पर रख लिया और एक धक्के लगाने लगे. दोनो एक समय पर अपना लण्ड अंदर डालते थे और एक समय कर निकालते थे. बीच बीच में पिछे वाला कस के मेरे स्तनो को मसल देता था और मै झटके से सर पीछे फेंकती थी. बस इसी पल टी टी मेरी थुड्डी को चुम लेता था. मैने बीच में चोर नजरो से देखा तो पता चल गया कि मेरे शौहर हमें छुप कर देख रहे है. लगातार धक्के लगाने के बाद उन्होने मेरी चुत और गांड मे पानी छोड़ दिया. टी टी जो थोड़ी उमर का था ने तो अपनी पैंट चढ़ा ली पर दूसरे ने अपना लण्ड फिर खड़ा कर लिया था. उसने मुझे घुटनो के बल बैठाया और अपना लण्ड मेरी मुंह में डाल दिया. कोई रास्ता तो था नही इसलिए जल्दी जल्दी मैं उसका लण्ड चुसने लगी. ज्यादा टाईम नही लगा और उसने अपना लण्ड मेरे मुंह से निकाल कर मेरे स्तनो को अपने पानी से भिंगा दिया. मै पोछने को हुई तो उसने मना कर दिया और अपनी पैन्ट चड़ा कर मुझे मेरे कम्पार्टमेन्ट तक छोड़ने आये. मै बिना कपड़ो के खिड़की के पास बैठ गई और एक रूमाल से खुद को साफ करके नाईटी पहन कर लेट गई.

मेरे शौहर ने कहा, "अब तो टिकट बना दो." टी टी ने जेब से टिकट निकाल कर उनको दे दिया. वो हमारा ही टिकट था. मेरे शौहर ने गुस्से से देखा तो टी टी ने कहा, "मेरी तरफ से भेंट." और दोनो हंसते हुए निकल गये. टी टी के जाने के बाद मै आंखे बंद करके लेटी रही. मेरे शौहर ने भी कुछ नही कहा और वो भी लेट गये. लगभग एक घंटे बाद वो उठे और टायलेट को चल दिये. उनके जाने के २ मिनट बाद ही वो तीनो लड़के आ गये. वो तीनो मेरे बदन पर हाथ फिराने लगे. मैने झट आंखे खोल कर कहा, "तुम लोग यहां, क्या कर रहे हो, छोड़ो मेरे शौहर आ जाऐंगे." उनमें से एक ने कहा, "भाभी, इतने लोगो को खुश किया है आपने, हम तीनो भी ज्यादा टाईम नही लेंगे आपका." वो लगातार मेरे बदन से खेल रहे थे. मैने फुसफुसाते हुए कहा, "मगर मेरे शौहर?" उसने फिर कहा, "टायलेट का गेट बाहर से बंद करके आये हैं." मैने मुस्कुराते हुए कहा, "मतलब पुरी तैयारी से आए हो, जब इतनी मेहनत किये हो तो तुम्हे मना कैसे कर सकती हूं. पर जरा जल्दी निपटना. और मेरा एक काम और करना है तुम लोगो को." मैने उनके कान मे कुछ कुछ समझा दिया और वो मान गये. तीनो ने जल्दी जल्दी मेरे नाईटी के बटन खोले और मेरे बदन को नग्न कर दिया. तीनो ने अपनी पैन्ट और अंडरवियर उतार दिये. मै थोड़ा नीचे सरक कर लेट गई और एक मेरे सर लो गोद मे लेकर बैठ गया और मेरे होठो को गले गाल को चुमने लगा. कभी चुमता, कभी चुसता, कभी चाटता तो कभी कभी काट भी लेता. एक अटैची लगा कर मेरी कमर के पास बैठ गया और मेरे दोनो स्तनो को अपने हाथो मे ले लिया. वो मेरे स्तनो को मसल रहा था और बीच बीच मे मेरे निप्पल को चूसने लगता. एक ने मेरी टांगे फैलाई और अपना लण्ड मेरी चुत में घुसा दिया. वो मेरी जांघो को पकड़ कर धक्के लगाने लगा. वो इस प्रकार से धक्के लगा रहा था कि बाकियो को दिक्कत न हो. आखिर कालेज का छोकरा था, ज्यादा देर नही रोक पाया और चुत भिंगा कर बगल वाले सीट पर जाकर बैठ गया. मेरे सर पर बैठा लड़का आ गया मेरी टांगो के बीच. जैसे थी उसने मेरी चुत में अपना लण्ड घुसाया मेरी नजर गेट की तरफ गई.

वहां मेरे शौहर छुप कर खड़े थे. शायद किसी ने टायलेट का दरवाजा खोल दिया होगा.वो लड़के ने जल्दी से अपना लण्ड मेरी चुत मे घुसाया और धक्के लगाने लगा. ये भी नौसिखिया था, पांच मिनट भी रोक कर नही रख पाया और झड़ गया. उसके उठते ही अगले ने जगह ले ली. उसने अपना लण्ड मेरी चुत मे घुसाया और धक्के लगाने लगा. दो चार धक्के मे ही मुझे एहसास हो गया कि ये पहुंचा हुआ खिलाड़ी है और वो धक्के लगाता रहा. उसके धक्को के वेग से मै उपर की तरफ खसकते जा रही थी. मेरे स्तन पानी भरे गुब्बारो की तरफ हिल रहे थे. जब मुझे लगा कि धक्के मजा कम और सजा ज्यादा दे रहे है तो मैने उसके कमर के इर्द गिर्द अपनी टांगे लपेट ली. पर उसके धक्को को वेग कम नही हुआ. उसे देख कर दोनो अपने लण्ड को सहला रहे थे. मुझे लगा कि अगर ये दूसरा राऊंड शुरू किये तो मैन तो गई, इसलिए मैने उसे लण्ड निकालने को कहा. वो लण्ड निकाल कर सीट कर दोनो के बीच बैठ गया. मै घुटनो के बल बैठ कर उसके लण्ड को मुंह में लेकर चुसने लगी और दोनो अगल बगल वालो के लण्ड से हस्तमैथुन करने लगी. जिसका लण्ड मुंह मे था उसने मेरी दोनो स्तन पकड़ ली और उन्हे मसलने लगा और दोनो लड़के मेरे एक एक चुत्तड़ पकड़ कर दबाने लगे. लगभग एक ही समय पर तीनो ने एक साथ पानी छोड़ दिया. वो अपनी अपनी पैन्ट पहन कर बैठ गये. और मैने उनके सामने ही खुद को साफ किया और नाईटी पहन ली. उसके बाद वो निकल गये और मै खिड़की के पास बैठ गई. मेरे शौहर आये और वो भी सीट पर बैठ गये पर बोले कुछ नही.

जब हमारा स्टेशन आने को १/२ घंटे बचे थे तो मैने कम्पार्टमेन्ट का गेट बंद किया और साड़ी पहनने लगी. साड़ी पहन कर मैने हलका मेकअप किया और फिर बाथरूम की तरफ चल दी. मुझे बाथरूम जाना तो था नही सो मै दो मिन्ट रूक कर वापस आ गई. अपने कम्पार्टमेन्ट के गेट से पहले मैने ब्लाऊज के सारे बटन खोले और ब्रा उपर सरका दी. मेरे स्तन नग्न हो गये. मैने सामने बैठे लड़को को इशारा किया और उनमे से दो लड़के मेरे कम्पार्टमेन्ट के गेट के सामने आ गये. वो दो मिनट वहा खड़े रहे जिससे मेरे शौहर का ध्यान उनकी तरफ हो जाए. फिर उन्होने मेरा हाथ पकड़ कर मुझे कम्पार्टमेन्ट के गेट के सामने खड़ा कर दिया और मुझसे बोले, "क्या गजब का स्तन है आपका भाभी, अगर आपको एतराज न हो तो कुछ देर इनसे मजा ले लेते है." मेरे कुछ बोले बगैर ही वो लोग मेरे एक एक स्तन से खेलने लगे और एक एक निप्पल को मुंह मे लेकर चुसने लगे. लगभग १० मिनट तक वो दोनो मेरे स्तनो से खेलते रहे और मुझे छोड़कर वापस चले गये. उनके जाने के बाद मैं कम्पार्टमेन्ट में घुसी और मेरे शौहर के सामने बैठ कर अपने ब्रा ठीक करके ब्लारऊज के बटन लगाने लगी. फिर मैं चुप चाप बैठ गई.

स्टेशन आया और हम दोनो उतर के बाहर आ गये. ड्राईवर गाड़ी लेकर आया था पर मेरे शौहर ने उसे पैसे देकर टैक्सी से आने को कहा. हम गाड़ी मे बैठ गये और वो कार चलाने लगे. अचानक बोले, "डेजी! अभी कई बार तुम्हारे साथ गलत हुआ पर कई बार मुझे लगा तुम्हारी भी मर्जी शामिल थी, ठीक बोल रहा हूं न मै." मैने कहा, "हां. आप ही तो मुझे किसी पराये मर्द के बांहो में देख कर सुकून पाते है, तभी तो जाते समय आपने मुझे चार लोगो के आगोश मे झोंक दिया था कि वो लोग मुझे रंडी की तरह इस्तेमाल कर सकें. वहां मैने सोचा कि जब पूरी जिन्दगी आपके साथ बितानी है तो आपके अनुसार ढल जाऊं. इसलिए तो आते समय आपके मजे का पूरा ख्याल रखा मैने. आखिर आप यही तो चाहते थे."

उन्होने धीरे से कहा, "मुझे नही आया मजा." मैने टोन्ट मारने के अंदाज से कहा, "शायद आपको विडियो देख कर मजा आता है. आज तो बहुत हो गया, दो दिन आराम कर लेती हुं फिर निकलुंगी बाहर. थोड़े से लटके झटके दिखाऊंगी मर्दो को तो चार पांच तो फिसल ही जाएंगे मेरे उपर. पांचो के साथ किसी होटल के एक कमरे मे जा कर खूब अपना बदन नुचवाऊंगी और सब विडियो ला कर आपको दे दुंगी. आप बिलकुल चिंता मत किजिए." उन्होने गुस्से मे कहा, "मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई, मुझे माफ कर दो, अब कभी ऐसी गलती नही होगी. मै वादा करता हूं." मैने कुछ नही कहा, बस चुप हो गई.

ऐसा नही है कि फिर उसके बाद मैने कभी और किसी का लण्ड नही चखा. चखा बहुतो का चखा, अगर इन दोनो आपबिती से आपका लण्ड में कोई हलचल नही हुई तो मेरा दावा कि मेरे और आपबिती सुन कर आपका निश्चित ही लण्ड बिना हिलाए झड़ जायेगा. पर वो फिर कभी. वैसे भी एक ज्यादा लण्ड एक साथ लेने का मजा कम और नशा ज्यादा होता है और मुझे भी आते और जाते समय इसकी आदत पड़ गई थी.

डेजी परवीन

लखनऊ